Carpenter's monthly newspaper

कारपेंटर्स न्यूज

www.carpentersnews.com

R.N.I.No.MAHHIN/2005/16460 | Postel Regd. No. MCW/321/2022-24
Posted at Delisle Road, Mumbai-400013. On 20th of Every month | Published on Every 10 th day of the month

मासिक समाचार पत्र

मुंबई | नवंबर 2023 | वर्ष : 18 | अंक : 12 | पृष्ठ : 16 | मूल्य : 2 रुपए

कृषि यंत्र पर मिलेगा 80 प्रतिशत अनुदान... पेज - 2

Since 1986
Suzu®
An ISO 9001:2015 Certified Company | ISI | CE Certified

37 Growing Years

INDIA'S 1ST STAINLESS STEEL SHACKLE Padlocks ...Series...

INDIA'S 1ST S.S HINGES MANUFACTURER Hinges ...Series...

GLORIOUS RANGE OF
PREMIUM HARDWARE
PRODUCTS

Quality Redefined

PROUDLY MADE IN INDIA

Manufacturer & Exporters of
Hinges | Screws | Door Hardware | Locks | PTMT BATH FITTINGS

MORTISE HANDLE

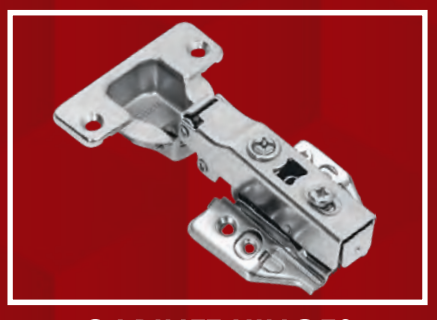
CABINET HINGES

PADLOCKS

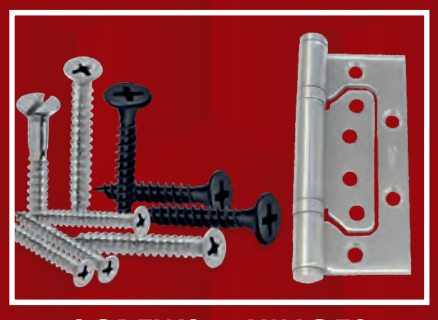
SCREWS & HINGES

SINK MIXER

WALL MIXER NON TELEPHONIC

CISTERN

BOTTLE TRAP & WASTE COUPLING

Padlocks | Butt Hinges | Aldrops | Screws | Door And Window Fittings | Cabinet Hinges | Door Closers | Mortise Handles | MPL Locks | Shutter Locks
Godown Locks | Main Door Locks | PTMT Taps | Toilet Seat Covers | ISI Flushing Cisterns, Mirror Cabinets | Bathroom Fittings | PTMT Accessories Etc.

Head Office : 110 I.D.C. Hissar Road,
Rohtak - 124001 Haryana (INDIA)
Corporate Office : 209-B, 2nd Floor Crown Heights
Near Rithala Metro Station, Rohini Sector 10
New Delhi - 110085 (INDIA)

Follow us on

www.suzusteel.com www.suzu.in

+91-9811242777, +91-9911118272

CUSTOMER HELPLINE
TOLL FREE NUMBER 1800 12000 4005

Time : 10 AM To 7 PM (Monday - Saturday)

MAKE IN INDIA

महासम्मेलन : 9 दिसंबर को मालाड (प) के बजाज हॉल में होगा महासम्मेलन

9 दिसंबर को जुटेंगे देश भर के कारपेंटर

भाजपा राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावडे, पत्रकार ब्रजमोहन पांडेय, कांग्रेस उत्तर भारतीय सेल मुंबई कार्याध्यक्ष अवनीश सिंह, पीएम विश्वकर्मा योजना मुंबई संयोजक नरेंद्र गांवकर बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहेंगे।

मुंबई। भवन निर्माण व आंतरिक साज-सज्जा से जुड़े कारीगरों की सामाजिक संस्था कारपेंटर्स वेलफेयर एसोसिएशन का वार्षिक कारपेंटर महासम्मेलन 'एक शाम कारपेंटरों के नाम' का आयोजन शनिवार, 9 दिसंबर 2023, समय - दोपहर 3 बजे से रात 9 बजे तक मालाड (पश्चिम) स्थित श्री धुड़मल बजाज हॉल में किया गया है। कारपेंटर्स वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष वशिष्ठ नारायण विश्वकर्मा ने बताया कि मुख्य प्रायोजक ओजोन किचन और फर्नीचर फिटिंग्स और सह प्रायोजक यूरो एडहेसिव व जॉली बोर्ड लि. प्रायोजित इस समारोह में कारपेंटर भाइयों को भवन निर्माण व आंतरिक साज-सज्जा से जुड़े उत्पादों के बारे में जानकारी दी जाएगी।

उन्होंने बताया कि कारपेंटरों को समय-समय पर फर्नीचर निर्माण क्षेत्र में आ रहे नए उत्पादों की जानकारी देकर उन्हें प्रशिक्षित करने का काम संस्था कर रही है। इस कार्यक्रम की जोरों से तैयारियां चल रही हैं।

संस्था के महासचिव दिनेश विश्वकर्मा ने कहा कि विदेशों से आयातित फर्नीचर से कारपेंटर भाइयों के सामने रोजगार की गंभीर समस्या खड़ी हो गई है। हमें फर्नीचर निर्माण क्षेत्र में मजबूत प्रतियोगी बने रहने के लिए कारपेंटरों को सामयिक मार्गदर्शक के साथ ट्रेनिंग भी देनी होगी। एक शाम कारपेंटरों के नाम समारोह के संयोजक गंगाराम विश्वकर्मा ने कहा कि भवन निर्माण व आंतरिक साज सज्जा से जुड़े कारीगरों के इस समारोह में सभी के लिए प्रवेश निः शुल्क है। कारपेंटर महासम्मेलन में गीत-संगीत का कार्यक्रम लोकरंग का आयोजन किया गया है, जिसमें लोकगायक राकेश तिवारी एंड ग्रुप सम-सामयिक गीत प्रस्तुत करेंगे।

समारोह को सफल बनाने में योगेश विश्वकर्मा, रामलाल विश्वकर्मा, गुलाब विश्वकर्मा, मोतीलाल विश्वकर्मा, हेमंत विश्वकर्मा, वकील विश्वकर्मा, प्रेमनाथ विश्वकर्मा, रामजी विश्वकर्मा, राजन विश्वकर्मा, दीनानाथ विश्वकर्मा, अनिल विश्वकर्मा, कन्हैयालाल विश्वकर्मा, जनार्दन विश्वकर्मा, महेंद्र यादव, संजय विश्वकर्मा, दिनेश विश्वकर्मा, राम बहादुर विश्वकर्मा, शैलेश विश्वकर्मा, अनिल विश्वकर्मा हार्डवेयर आदि भरपूर सहयोग कर रहे हैं।

कृषि यंत्र पर मिलेगा 80 प्रतिशत अनुदान

पटना। बिहार में जातीय आधारित गणना की रिपोर्ट सामने आने के बाद सरकार की योजनाओं में बदलाव होना शुरू हो चुका है। कृषि विभाग ने ईबीसी, ओबीसी और छोटे किसानों को मिलने वाली कृषि यंत्रों पर भारी बदलाव किया है। छोटे किसानों के लिए एलपीसी में राहत दे दी है। बीस हजार रुपए के कृषि यंत्र पर खरीदारी के लिए लैंड पोजीशन सर्टिफिकेट की अनिवार्यता खत्म कर दी है। ईबीसी, ओबीसी दलित किसानों को इसका बड़ा लाभ मिलेगा।

विभाग की ओर से जानकारी दी गई है कि अत्यंत पिछड़ा वर्ग यानी एइउ के किसानों की माली हालात अच्छी नहीं है। इनकी आर्थिक स्थिति कमोवेश अनुसूचित जाति और जनजाति के किसानों के समान ही है। इसलिए कृषि यांत्रिकरण योजनान्तर्गत अत्यंत पिछड़ा वर्ग के किसानों को भी अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के किसानों के समान ही अनुदान का प्रावधान किया गया है। इससे राज्य के दलित, महादलित किसानों के साथ-साथ अत्यंत पिछड़ी जाति के किसान ज्यादा से ज्यादा लाभान्वित हो पाएंगे। बिहार के किसानों के खेती के लिए आवश्यक कृषि यंत्रों एवं उपकरणों पर अनुदान के लिए कुल 119 करोड़ रुपए की योजना स्वीकृत की गई है। जिसके तहत

राज्य के किसानों की आवश्यकता के हिसाब से उनके लिए उपयोगी कुल 108 प्रकार के कृषि यंत्रों पर अनुदान दिया जाता है। छोटे-छोटे कृषि यंत्रों जैसे हसुआ, खुरपी, कुदाल पर भी 80 प्रतिशत अनुदान का प्रावधान किया गया है। चालू वित्तीय वर्ष में कुल 21 नए कृषि यंत्रों को योजना में जोड़ा गया है।

लकड़ी से बनाया गया चंद्रयान का मॉडल

बनारस। लकड़ी से बनने वाले खिलौने के उद्योग को बढ़ावा देने की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अपील का असर अब दिखने लगा है। उत्तर प्रदेश के बनारस में ऐसी कलाओं के शानदार शिल्पकार मिलते हैं, जिनके हुनर और कलाकृतियों को हमेशा से ही दुनिया पसंद करती है।

चंद्रयान 3 की चंद्रमा पर सफलतापूर्वक सॉफ्ट लैंडिंग के बाद अब बनारस में लकड़ी से बना चंद्रयान 3 के मॉडल को शिल्पकार तैयार किया है। चंद्रयान 3 के इस मॉडल को वाराणसी वुडन लेकर वेयर एंड टॉयज के शिल्पकारों ने तैयार किया है, जो बनारस की अद्भुत कला का शानदार उदाहरण है।

वाराणसी के लोलार्क कुंड स्थित कारखाने में इसे कड़ी मेहनत के बाद तैयार किया गया है। चंद्रयान 3 के लकड़ी का मॉडल काफी आकर्षित करने वाला है। इस मॉडल को तैयार करने वाली शुभ अग्रवाल ने कहा कि हम लोग इस चंद्रयान 3 मॉडल को भारतीय वैज्ञानिकों के सम्मान में समर्पित करते हैं और इसे भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व इसरो के चेयरमैन को भेंट करेंगे।

हिमाचल सरकार ने लकड़ियों पर लगे प्रतिबंध को हटाया

शिमला। हिमाचल प्रदेश के लोगों की सुविधा को देखते हुए राज्य सरकार ने सफेदा, पॉपलर, बांस की लकड़ी के साथ कुठ औषधीय पौधे को प्रदेश से बाहर ले जाने पर लगी रोक को हटा दिया है। हालांकि कुछ लकड़ियों को बाहर ले जाने के लिए वन विभाग से परमिट लेना होगा। अब प्रदेश के लोग इन चार प्रजाति की लकड़ी को बिना परमिट के प्रदेश से बाहर ले जा सकते हैं। इन प्रजाति की लकड़ी की ढुलाई राज्य के अंदर भी बिना अनुमति हो पाएगी। हिमाचल प्रदेश में कई किसान इन प्रजाति के पेड़ों को व्यवसायिक स्तर पर उगाते हैं। ऐसे में उनके हितों को देखते हुए राज्य सरकार ने इन चार प्रजातियों पर लगे प्रतिबंध को हटाने का निर्णय लिया है।

हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि सरकार ने सफेदा, पॉपलर और बांस की लकड़ी के साथ कुठ को प्रदेश से बाहर ले जाने पर लगी रोक हटा दी है। इसके अलावा प्रदेश सरकार ने खैर की लकड़ी, कत्था, देवदार के तेल सहित प्रदेश में उगने वाली अन्य जड़ी बूटियों को प्रदेश से बाहर ले जाने पर लगे प्रतिबंध को भी हटा दिया है। हालांकि इन वन उत्पादों को प्रदेश से बाहर ले जाने के लिए वन विभाग से परमिट लेना होगा। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि प्रदेश सरकार वन विभाग से विभिन्न प्रकार के ई-परमिट प्राप्त करने के लिए हिमाचल प्रदेश में नेशनल ट्रान्जिट पास सिस्टम शुरू करने जा रही है। यह सिस्टम शुरू करने वाला हिमाचल प्रदेश देश का छठा राज्य होगा। इसके शुरू होने से जहां लोगों को ई-परमिट प्राप्त करने में सुविधा होगी, वहीं विभाग के कार्यों में पारदर्शिता और दक्षता आएगी।

मारोग सुरंग का निर्माण कार्य पूरा

जम्मू। जम्मू-कश्मीर में रामबन-बनिहाल सड़क पर बन रहे 395 मीटर लंबे सीता राम पासी-मारोग सुरंग और 250 मीटर के एक अन्य सेतु का निर्माण पूरा हो गया है। निर्माण पर 82 करोड़ रुपये खर्च आया है। यह जानकारी केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने दी है। राष्ट्रीय राजमार्ग-44 पर रामबन से बनिहाल खंड पर स्थित मारोग सुरंग और सेतु के निर्माण से सीता राम पासी स्लाइड क्षेत्र का विकल्प वाहन चालकों को मिलेगा। यह 645 मीटर का खंड, न केवल यात्रा की दूरी को 200 मीटर तक कम कर देगा बल्कि खड़ी ढलानों को भी कम करेगा।

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने जम्मू और कश्मीर में राजमार्ग के बुनियादी ढांचे मजबूत करने में प्रतिबद्धता को दृढ़ता से आगे बढ़ाया है। यह विकास न केवल क्षेत्र की आर्थिक वृद्धि में योगदान दे रहा है बल्कि एक प्रमुख पर्यटन स्थल के रूप में इसका आकर्षण बढ़ाता है।

RNI NO. MAHHIN/2005/16460

कारपेंटर्स न्यूज

संपर्क करें : Mo. 9320566633 / 7588951633 | Email: carpentersnews@gmail.com
हमें फॉलो करें : Facebook.com/carpentersnews | Telegram: https://t.me/carpenters_news

मुंबई | नवंबर 2023 | वर्ष : 18 | अंक : 12 | पृष्ठ : 16 | मूल्य : 2 रुपए

शीशम व सागौन की लकड़ी बरामद

बलरामपुर। सशस्त्र सीमा बल के जवान व वन विभाग रामपुर रेंज की ओर से की गई बड़ी कार्रवाई में चार बोट जंगली शीशम की लकड़ी व 6 बोट सागौन की लकड़ी के साथ एक ट्रैक्टर ट्राली और पिकअप को बरामद किया गया। इस करवाई में एक अभियुक्त को भी गिरफ्तार किया गया है।

Godrej Vishesh लाभ Club

Godrej | LOCKS
THINK SAFETY, THINK GODREJ.

बेहतरीन लॉकिंग टेक्नोलॉजी अपनाइये

अधिक जानकारी के लिए
हमें यहाँ मिस्ड कॉल दें:
96100 05641

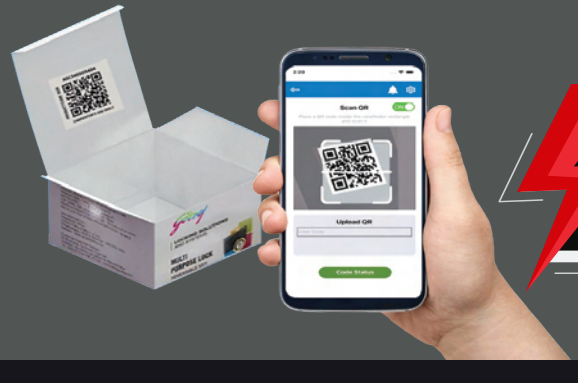

Toll Free No. 1800 209 5511 | www.godrej.com | GodrejLocks | GodrejLocks

देवदार पेड़ है शाश्वत का प्रतीक

जम्मू। भारत में देवदार के वृक्ष को बहुत पवित्र माना जाता है। हिमालयी क्षेत्र से लेकर हिंदू कुश इलाकों में देवदार प्रचुरता में पाया जाता है। ये वृक्ष ऊंचे, गरिमामयी लगते हैं। देवदार पाकिस्तान का राष्ट्रीय वृक्ष है। ये वृक्ष अपनी ऊंचाई, अनूठेपन, मजबूती और पर्यावरण के लिहाज से खास होने के साथ दर्शनीय भी होते हैं। पाकिस्तान में भी इन वृक्षों की तादाद अच्छी खासी है। देवदार शाश्वत का प्रतीक है। यह राजसी, लंबा, सुंदर और निडर है। यह पहाड़ों के प्रचंड तूफानों या कंपकंपा देने वाली बर्फबारी का सामना करते हुए सीधा खड़ा होकर रक्षा करता है। बर्फ से ढका हुआ, यह एक साधु की तरह दिखता है, जो अपने शुद्ध सफेद वस्त्रों में प्रार्थना में हाथ फैलाए खड़ा है।

देवदार को संस्कृत भाषा में देवदारु कहते हैं, जिसका मतलब है वुड ऑफ द गॉड यानी भगवान की लकड़ी। कहा जाता है कि पुराने समय में ऋषि मुनि भगवान शिव की आराधना करने के लिए इसी पेड़ के नीचे तप करते थे। इस पेड़ में भोलेनाथ का वास माना जाता है, जिस वजह से इसे घर के आसपास लगाने से वातावरण में सकारात्मक ऊर्जा मिलती है। हमारे देश में देवदार को भगवान शिव का सबसे प्रिय पेड़ माना जाता रहा है। आज भी उसे हिंदू धर्म में पवित्रता, शांति और आध्यात्म से जोड़कर देखा जाता है। जब आप इन वृक्षों के करीब जाते हैं तो वास्तव में एक असीम शांति का अनुभव करते हैं। देवदार का पेड़ एक हजार साल तक जीवित रह सकते हैं। उन्हें समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। इसे भगवान के पेड़ के रूप में पूजा जाता है। पश्चिमी हिमालय में, देवदार को शिव पूजा के साथ निकटता से जोड़ा जाता है। अक्सर देवदार के समूह के पास एक शिव मंदिर पाया जाता है। आमतौर पर यह वृक्ष 1900 से लेकर 2700 मीटर तक की ऊंचाई पर होता है। घर बनाने से लेकर फर्नीचर बनाने और अरोमा थेरेपी में देवदार का तेल काफी असरकारक माना जाता है। कश्मीर और पाकिस्तान के कई इलाकों में देवदार की लकड़ियों का इस्तेमाल प्रचुरता के साथ घर बनाने में किया जाता रहा है। 1926 के साइंटिफिक अमेरिकन लेख में कश्मीर में देवदार की लकड़ी से बने एक पुल का वर्णन किया गया था, जो चार शताब्दियों तक नदी के पानी के संपर्क में रहने के बाद थोड़ा खराब हो गया था। इन वृक्षों की लकड़ियों और पत्तियों में हल्की सुगंध भी मिलती है। देवदार की लकड़ी अत्यंत टिकाऊ और सड़न प्रतिरोधी होती है। इसकी लकड़ी में कीड़े भी नहीं लगते हैं।

देवदार को अंग्रेजी में सिडरस कहते हैं। इसकी लंबाई 40 से 50 मीटर तक होती है। इसे लार्ज एवरग्रीन कोनिफर ट्री भी कहा जाता है। इसकी पत्तियां सुई की तरह नुकीली होती है। देवदार की लकड़ी अपने उपचारात्मक गुणों के लिए भी बेशकीमती है। भारतीय आयुर्वेदिक चिकित्सा के अनुसार देवदार की छाल, तेल और लकड़ी के पाउडर में सूजन-रोधी, एंटीऑक्सीडेंट और कैंसर-विरोधी गुण होते हैं। ये बुखार, दस्त और पेचिश के खिलाफ, एक्जिमा और सोरायसिस जैसे त्वचा रोगों के लिए और पाचन में सहायता के लिए उपयोग में लाया जाता है। इसके तने, पत्तियों और बाकी लकड़ी में तमाम तरह के केमिकल पाए जाते हैं, जिनमें टैक्सीफोलिन, सिडरिन, डिओडेरिन, टैक्सीफिनौल, लेलोनॉल, एंथोल शामिल है।

यूरो एडहेसिव ने शुरू किया कारपेंटर लॉयल्टी प्रोग्राम

मुंबई। ज्योति रेजिंस एंड एडहेसिव लि.अपने लोकप्रिय ब्रांड यूरो एडहेसिव के जरिये कारपेंटरों के बीच लगातार पैठ बना रही है। अभी तक यूरो एडहेसिव की खरीदी पर कारपेंटरों और कॉन्ट्रैक्टरों को टोकन, कटर मशीन, ड्रिल मशीन जैसे उपहार दिया जाता रहा है।

EURO® 7000
SYNTHETIC WOOD ADHESIVE

यूरो एडहेसिव ने अब यूरो डिजिटल एप भी लॉन्च कर दिया है जिसके माध्यम से कारपेंटर लॉयल्टी प्रोग्राम में भाग ले सकते हैं। इस एप्प को गूगल प्ले स्टोर में जाकर डाउनलोड करने के बाद कारपेंटर को अपनी जानकारी को भरना होगा। इसके बाद यूरो एडहेसिव के किसी प्रतिनिधि से मिलकर यूरो एप्प को एक्टिवेट करना होगा। एप्प एक्टिवेट होने के बाद यूरो एडहेसिव के उत्पाद में दिए गए कूपन को स्कैन कर पॉइंट जमा करें। पॉइंट की संख्या के आधार पर कारपेंटर और कॉन्ट्रैक्टरों गिफ्ट ले सकते हैं। गुजरात के अहमदाबाद में ज्योति रेजिंस एंड एडहेसिव लि. लोकप्रिय ब्रांड यूरो एडहेसिव का उत्पादन करती है। आईएसओ प्रमाणित ज्योति रेजिंस एंड एडहेसिव लि. प्रति महीने 1 हजार टन एडहेसिव का उत्पादन करती है। ज्योति रेजिंस एंड एडहेसिव लि. के लोकप्रिय ब्रांड यूरो एडहेसिव को भारतीय फर्नीचर इंडस्ट्रीज में बेहतर गुणवत्ता के लिए जाना जाता है, इसलिए यूरो एडहेसिव कारपेंटरों में तेजी से लोकप्रिय हुआ है।

E3 EDGE BANDS

कारपेंटर भाइयों का
भरोसेमंद साथी,
E3 एजबैंड

- दीमक रोधी
- भारत में निर्मित
- कोई भी माप, कोई भी रंग
- 100% सनमाइका मैच

+91 70251 70251 | info@e3panels.com | www.e3panels.com
DEALERS ENQUIRY SOLICITED FOR PAN INDIA

दीपावली एवं छठ पूजा की
हार्दिक शुभकामनाएं

1ST INDIAN MANUFACTURER IN WORLD CLASS QUALITY

E3 PVC EDGE BAND TAPE

Link
50
YEARS OF TRUST
कारपेंटर भाइयों की
पहली पसंद
Link
ATOOT EXTRA 60
8 BRASS LVRS
TRIPLE LOCKING
200000 KEY COMBINATIONS
304 STAINLESS STEEL
Link
Contact Info.
1800-547-4559
Salessupport@linklocks.com
www.Linklocks.com
Available On.
amazon
blinkit
Jio Mart
moglix

कारपेंटर लॉयल्टी प्रोग्राम

EURO 7000 SYNTHETIC WOOD ADHESIVE

MAHARASHTRA

मजबूत जोड हमारे रिश्तों का...

अब यूरो एडहेसिव की खरीदारी पर कटर/ड्रिल/टोकन के साथ पॉइंट्स भी जमा करे और पाइये आपका मनपसंद गिफ्ट या कैश ट्रांसफर आपके बैंक खातों में ।

- *ये लॉयल्टी प्रोग्राम केवल कारपेंटर और कांट्रेक्टर भाइयो के लिए है।*
- *पॉइंट स्कैन करने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल स्टोर में जा के "EURO7000 DIGITAL" डाउनलोड करे और रजिस्ट्रेशन करे.*
- *रजिस्ट्रेशन करने के 24 घंटे में आपको अप्रूवल मिल जाएगा फिर आप पॉइंट्स स्कैन कर सकते है।*
- *रिडेम्पशन करने के बाद यूरो एडहेसिव के सेल्स एग्जीक्यूटिव आपको 7 से 10 दिन में गिफ्ट पहुंचा देंगे।*
- *गिफ्ट प्रोडक्ट की वॉरंटी गेरंटी प्रोडक्ट की कंपनी के नियमानुसार रहैगी।*
- *इस ऑफर को बदलने वापस लेने का अधिकार यूरो एडहेसिव के पास है।*

For Android For Apple

PURCHASE	GET	PURCHASE	GET
800 Gm Pouch	CUTTER MACHINE + LOYALTY PROGRAM Cutter Machine + 1 Point 1 Point/Pouch	800 Gm Pouch	CUTTER MACHINE + LOYALTY PROGRAM Cutter Machine + 2 Points 2 Point/Pouch
800 Gm Pouch	DRILL MACHINE + LOYALTY PROGRAM Drill Machine + 1 Point 1 Point/Pouch	800 Gm Pouch	DRILL MACHINE + LOYALTY PROGRAM Drill Machine + 2 Points 2 Point/Pouch
800 Gm Pouch	TOKEN + LOYALTY PROGRAM Rs.15/- Token + 1 Point Rs.15/- Token/Pouch 1 Point/Pouch	800 Gm Pouch	TOKEN + LOYALTY PROGRAM Rs.25/- Token + 2 Points Rs. 25/- Token/Pouch 2 Point/Pouch

वोकल फॉर लोकल से विश्वकर्माओं तक पहुंच रहा है विकास का सूरज

भारत अब दुनिया का बाजार बनने की बजाय, 'वोकल फॉर लोकल' व 'आत्मनिर्भरता' के मंत्र के साथ मैन्युफैक्चरिंग हब बनकर दुनिया के बाजार में छा रहा है और स्थानीय भारतीय उत्पाद बन रहे हैं वैश्विक बाजार की पहली पसंद। किसी भी राष्ट्र के नवनिर्माण में जन-जन की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। इसी सोच के साथ 2014 से समाज के सभी वर्गों की देश के संसाधनों में समान भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए कई दीर्घकालिक योजनाएं लाई गई। इसमें वोकल फॉर लोकल अभियान ने दशकों तक सुदूर क्षेत्रों में रहने वाले आदिवासी समुदाय के जीवन और उत्पादों को नई पहचान दी है। अमृत काल के पहले वर्ष की यह दीपावली संकल्प शक्ति से लैस होकर भारत के नवनिर्माण की है। अमृत यात्रा से भारत को विकसित बनाकर सशक्त करने की शुरूआत वाली दीपावली है। अमृत काल के पहले वर्ष की यह दीपावली संकल्प शक्ति से लैस होकर भारत के नवनिर्माण की है। अमृत यात्रा से भारत को विकसित बनाकर सशक्त करने की शुरूआत वाली दीपावली है।

भारतीय रीति-परंपराओं में अब त्यौहारों ने देश के जन-जन को एक संकल्प से जोड़कर राष्ट्र को आत्मनिर्भरता के मार्ग पर चलने का अवसर दिया है क्योंकि देश हो रहा है 'लोकल' के लिए 'वोकल' और भारत के श्रम की महक चारों दिशाओं में फैलने लगी है। जिन उत्पादों के लिए देश कभी आयात पर निर्भर रहता था, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'वोकल फॉर लोकल' और आत्मनिर्भर भारत के आह्वान ने इस धारा को उलट दिया है। सही अर्थों में वोकल फॉर लोकल अभियान न केवल विकसित भारत के संकल्प का आधार बन गया है बल्कि दशकों से सुदूर क्षेत्र में रहने वाले आदिवासी हों या अन्य वंचित-पिछड़े जिनके उत्पाद-कला को एक विशेष क्षेत्र तक सीमित कर दिया गया था, उसे नया अवसर मिला है। इस अभियान ने जनजातीय चेहरों पर नई मुस्कान बिखेरी है और प्रत्येक भारतीय स्थानीय स्तर पर बने स्वदेशी उत्पाद की भावना से गर्वित महसूस करने लगा है।

इस अभियान के तहत खादी से खिलौने तक, रक्षा से इलेक्ट्रॉनिक्स तक, केंद्र सरकार ने ऐसे कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं जिसने वोकल फॉर लोकल और आत्मनिर्भर भारत की बुनियाद रख दी है। आज सुई से लेकर सेना के उपकरण तक, साइकिल से लेकर बाइक तक, मोबाइल से लेकर कार तक,घरेलू उत्पाद से लेकर मेडिकल डिवाइस तक, कपड़े से लेकर खिलौने तक, सब कुछ है मेड इन इंडिया।

जिसमें अपनों का पसीना है, अपने देश की महक है। त्यौहार विशेष हो या फिर सामान्य दिनों की खरीददारी, भारत अब न केवल लोकल उत्पाद खरीद रहा है, बल्कि गर्व से उसका प्रचार भी कर रहा है। विश्व अर्थव्यवस्था में भारत को सिरमौर बनाने और जन-कल्याण के लिए अपने आप को आत्मनिर्भर बनाने के लिए 'वोकल फॉर लोकल' को अमृत काल का मंत्र बना दिया है। विदेशी उत्पादों को छोड़कर अब वोकल फॉर लोकल की अलख हर ओर गूंजती दिख रही है। नए इनोवेशन, नई इच्छाशक्ति के साथ अपनी ताकत को पहचानकर भारत अब आत्मनिर्भर बनने को आतुर है। आजादी के इस अमृत काल में देश ने तय किया है कि वोकल फॉर लोकल के आह्वान से भारत की जनजातीय परंपराओं को, इसकी शौर्य गाथाओं को देश अब और भी भव्य पहचान देगा। दरअसल, भारत का विकास वोकल फॉर लोकल के मंत्र में छिपा है। भारत के लोकतंत्र के विकास की ताकत भी लोकल गवर्नेंस ही है। जब हम कोई स्थानीय उत्पाद खरीदते हैं, वोकल फॉर लोकल होते हैं, तब भी हम अपने कर्तव्य का पालन करते हैं। जब हम आत्मनिर्भर भारत अभियान को गति देते हैं, तो अपने कर्तव्य का पालन करते हैं। जब एक-एक भारतीय अपने कर्तव्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता देगा, पूरी निष्ठा से उसका पालन करेगा, तो भारत को आगे बढ़ने में कोई नहीं रोक सकता। आज लाखों युवा, महिलाएं, बच्चे, परिवारजन, कर्तव्य की इस भावना को जी रहे हैं। यह भावना जैसे-जैसे प्रत्येक भारतीय का चरित्र बनती जाएगी, भारत का भविष्य उतना ही उज्ज्वल होता जाएगा। आज आत्मनिर्भर भारत, वोकल फॉर लोकल, यानी भारत में बने सामान को अपनाने की बात घर-घर का हिस्सा बन चुकी है। इसका सर्वाधिक लाभ किसानों, बुनकरों, हस्तशिल्पियों और विश्वकमाओं को हो रहा है।

भारत की कुल जनसंख्या में 8.6 प्रतिशत आबादी अनुसूचित जनजाति (एसटी) की है यानी संख्या में लगभग 10.4 करोड़ हैं। भारत में संविधान के अनुच्छेद 342 के तहत अधिसूचित अनुसूचित जनजातियों की संख्या 730 से अधिक हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास की सोच को ध्यान में रखते हुए, वर्तमान केंद्र सरकार ने समाज के सभी वर्गों के समान विकास पर निरंतर काम शुरू किया। इस विकास में केंद्र सरकार ने जनजातियों के विकास, उनकी विरासत और संस्कृति के संरक्षण को भी प्राथमिकता दी है। अधिक प्रतिबद्धता के साथ उन्हें नए प्रगति पथ के लिए सक्षम बनाया है। दरअसल, इस समुदाय ने जंगल, मरूभूमि और पहाड़ों के बीच रहकर भारत की आजादी की अलख जगाई। भारत की समृद्धि को उन्होंने अपना जीवन मंत्र बनाया। आजादी के बाद से लंबे समय तक विकास की पहुंच से दूर रहे जनजातियों के विकास, उनकी सामाजिक, सांस्कृतिक और राजनैतिक स्वायत्तता की सुरक्षा के लिए देश का मौजूदा नेतृत्व बीते कुछ वर्षों से निरंतर प्रयासरत है। इसमें वोकल फॉर लोकल अभियान ने नई ऊर्जा का संचार किया है। जनजातीय समुदायों को मुख्यधारा से जोड़ने की निरंतर पहल में देश ने तय किया है कि भारत की जनजातीय परंपराओं, शौर्य गाथाओं को देश अब और भी भव्य पहचान देगा। बीते कुछ वर्षों में विकास का सूरज अब जंगल और पहाड़ों में भी छाया है। जनजातीय विकास के वार्षिक बजट में 75 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। अब देश भर में खुले एकलव्य मॉडल स्कूलों में एकलव्यों की प्रतिभा को पूरा सम्मान मिल रहा है। वन धन योजना ने आदिवासियों का जीवन बदला है तो जंगल की संपदा सशक्तीकरण का साधन बनी है। जनजातीय बच्चों के स्कॉलरशिप बजट में बढ़ोतरी हुई तो पढ़ाई से लेकर खेल के मैदान तक जनजातीय समूह के बच्चों का परचम लहरा रहा है। बोडो, ब्रू, कार्बी के साथ अब हर जनजाति में नया विश्वास जागा है। इतना ही नहीं, महानगरों से निकलकर पद्म सम्मान अब जंगल, मरूभूमि और पहाड़ों तक पहुंचा है, जिससे जनजातियों के कामों को नई पहचान मिली है।

वोकल फॉर लोकल आदिवासी कला कौशल को आय का साधन बना रहा है। दशकों पुराने कानून जो आदिवासी लोगों को बांस जैसी वनोपज को काटने से रोकते थे, उन्हें बदलकर वनोपज पर अधिकार दिए गए हैं। आज वन उत्पादों को प्रोत्साहित करने के लिए केंद्र सरकार अनेक नए प्रयास कर रही है। पहले केवल 12 वन उत्पादों की एमएसपी पर खरीदी होती थी, लेकिन आज इस लिस्ट में करीब-करीब 90 उत्पाद वन-उपज के रूप में शामिल किए गए हैं। देश ने वन धन योजना के जरिए वन संपदा को आधुनिक अवसरों से जोड़ने का काम भी शुरू किया है। देश में 3 हजार से अधिक वन-धन विकास केंद्रों के साथ ही 50 हजार से ज्यादा वन-धन सेल्फ हेल्प ग्रुप भी काम कर रहे हैं। आंध्र प्रदेश के विशाखापट्टनम में ट्राइबल रिसर्च इंस्टीट्यूट की भी स्थापना की गई है। आकांक्षी जिले और आकांक्षी ब्लॉक के विकास के लिए जो अभियान देश चला रहा है, उसका भी बड़ा लाभ आदिवासी इलाकों को हो रहा है। आदिवासी युवाओं की शिक्षा के लिए 750 एकलव्य मॉडल स्कूलों को भी स्थापित किया जा रहा है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति में मातृभाषा में शिक्षा पर जो जोर दिया गया है, उससे भी आदिवासी बच्चों को पढ़ाई में बहुत मदद मिलेगी।

आजादी की लड़ाई में आदिवासी समाज के अप्रतिम योगदान को हर घर तक पहुंचाने के लिए अमृत महोत्सव में अनगिनत प्रयास किए गए हैं। आजादी के बाद पहली बार, देश में आदिवासी गौरव और विरासत को प्रदर्शित करने के लिए आदिवासी संग्रहालय बनाए जा रहे हैं। आंध्र प्रदेश के लंबसिंगी में अल्लूरी सीताराम राजू मेमोरियल जनजातीय स्वतंत्रता सेनानी संग्रहालय भी बनाया जा रहा है। देश ने 15 नवंबर (भगवान बिरसा मुंडा जयंती) को राष्ट्रीय जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने की शुरूआत भी की है। विदेशी हुकूमत ने आदिवासियों पर सबसे ज्यादा अत्याचार किए, उनकी संस्कृति को नष्ट करने के प्रयास किए लेकिन अब उन बलिदानों का स्मरण, आने वाली पीढ़ियों को प्रेरणा देतेरहेंगे। वन संपदा आदिवासी समाज के युवाओं के लिए रोजगार और अवसरों का माध्यम बने, इसके लिए केंद्र सरकार के स्तर से अनेक प्रयास हो रहे हैं। आज भारत, आत्मनिर्भर होने के जिस संकल्प के साथ 'वोकल फॉर लोकल' के मंत्र को आगे बढ़ा रहा है, वो इसी विजन का विस्तार है। प्रधानमंत्री मोदी कई अवसरों पर इसके लिए आह्वान करते हुए कहते हैं कि जब हम देश के भीतर अलग-अलग राज्यों में टूरिज्म के लिए जाते हैं तो इससे फायदा देश के लोगों को होता है। जब हम स्थानीय उत्पाद खरीदते हैं तो इससे फायदा देश के लोगों का होता है। जब हम खादी खरीदते हैं, हैंडलूम खरीदते हैं, हैंडीक्राफ्ट खरीदते हैं तो इन उत्पादों का बढ़ावा और इसके कारण हर घर में चलने वाले छोटे-छोटे उद्योग, गांव में चलने वाले छोटे उद्योग, गरीबों की मेहनत से पलते हुए उद्योग, उन्हें एक नई ताकत मिलती है। उनको आर्थिक लाभ भी पहुंचता है और इससे देश के लोगों का फायदा होता है।

पारंपरिक शिल्प को बढ़ावा देने की कड़ी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 17 सितंबर को पीएम विश्वकर्मा योजना का शुभारंभ किया जो हाथ के हुनर से, औजारों से, परंपरागत रूप से काम करने वाले लाखों परिवारों के लिए उम्मीद की एक नई किरण बन कर सामने आई है। इसका लाभ कहीं न कहीं आदिवासियों की समृद्ध शिल्प और अन्य कलाओं की परंपरा को भी संरक्षण मिलेगा। 'पीएम विश्वकर्मा योजना' को 13,000 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ केंद्र सरकार द्वारा पूरी तरह से वित्त पोषित किया जाएगा।

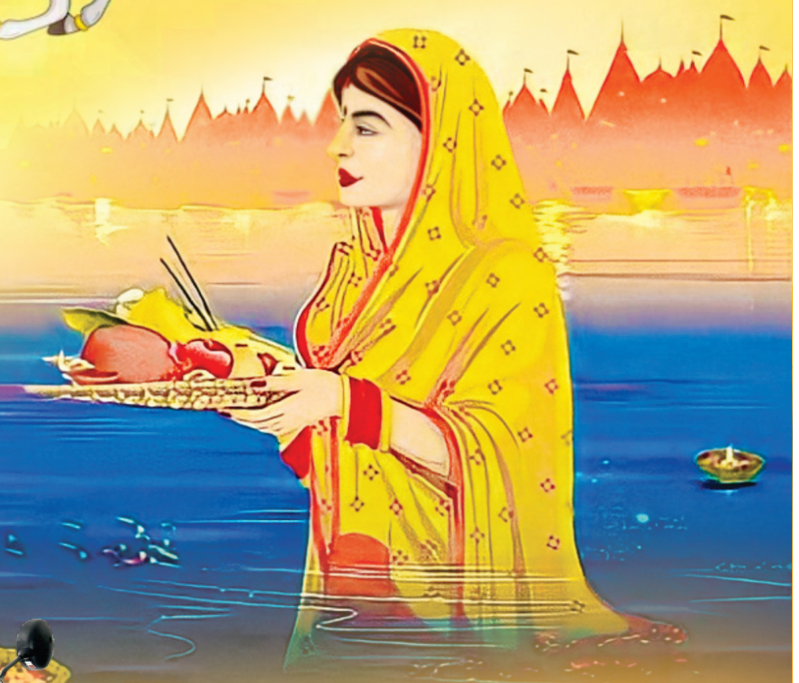

HARRISON
हरीसन
परिवार की ओर से
छट पूजा
की हार्दिक
शुभकामनाएं
Mr. आनंद
लक्की विनर्स
सुविधा स्कीम के तहत
कारपेंटर भाईओ
के लिए आकर्षक स्कीम
आज ही रजिस्टड करें
और पाएं
मौका अनेको उपहार
जितने का
नॉट:- ऊपर दर्शायी गई फोटो सिर्फ उपहार को दर्शाने हेतु है मिलने वाला उपहार इनमे से भिन्न हो सकता है : रंग मॉडल इत्यादि ।
टोल फ्री नम्बर : 1-800-572-5795
अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें:-
www.harrisonlocks.com | email : Info@harrisonlocks.com
9355-015-108

हरीसन ने बड़े पैमाने पर सर्विस प्रोवाइडर के पुरस्कारित किया

हरीसन

हरीसन ने आगे बढ़कर लगातार महासम्मेलनों का आयोजन कर रहा

हरीसन ने आगे बढ़कर लगातार महासम्मेलनों का आयोजन कर रहा है, जो कारपेंटर्स और उनके समूहों के लिए महत्वपूर्ण हैं। इन महासम्मेलनों में स्थानीय कारपेंटर्स को एक साथ आने और अपने अनुभवों, विचारों, और कौशलों को साझा करने का मौका मिलता है।

ये महासम्मेलन सामूहिक समर्थन, साझेदारी, और कौशल को बढ़ावा देने का एक माध्यम प्रदान करते हैं। विभिन्न विषयों पर आयोजित किए जाने वाले कार्यशालाओं और व्याख्यानों के माध्यम से, कारपेंटर्स नई तकनीकों और उत्पादों के साथ अवगत होते हैं, जिससे उन्हें उनके काम में सुधार करने का अवसर मिलता है।

इन महासम्मेलनों में होने वाले प्रस्तुतियों से कारपेंटर्स को अपने क्षेत्र में नवीनतम और उन्नत जानकारी प्राप्त होती है, जो उन्हें उनके पेशेवर विकास में मदद करती है।

हरीसन ने लगातार बड़े पैमाने पर कारपेंटर सम्मेलन कर रहा है

हरीसन ने लगातार बड़े पैमाने पर कारपेंटर सम्मेलन और प्रशिक्षण का आयोजन करके एक महत्वपूर्ण पहल की है जो न केवल स्थानीय सामुदायिक संबंधों को मजबूत कर रही है, बल्कि कारपेंटर्स को नए उत्पादों, तकनीकों, और निर्माण की प्रक्रियाओं के साथ अवगत करा रही है। इस सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य नौकरियों को बढ़ावा देने, नई तकनीकों का परिचय कराने, और सामुदायिक समर्थन को बढ़ावा देने के साथ स्थानीय कारपेंटर्स को समृद्धि की ओर मोड़ना है।

सम्मेलन में विभिन्न कारपेंट्री विषयों पर विशेषज्ञ व्याख्यान, प्रशिक्षण सत्र, और प्रैक्टिकल डेमों का आयोजन किया जाता है। साथ ही, उत्कृष्ट व्यक्तित्वों द्वारा संबोधित किए जाने वाले सत्रों में, कारपेंटर्स को नए अवसरों की चुनौतियों का सामना करने के लिए प्रेरित किया जाता है।

हर सम्मेलन में विशेष ध्यान दिया जाता है कि समृद्धि के लिए अच्छे कारपेंटर्स कैसे बन सकते हैं। नए उत्पादों और तकनीकों के साथ अपने कौशल को समृद्धि में बदलने के लिए विशेषज्ञ बातचीतें की जाती हैं। यह सभी कारपेंटर्स के लिए नए दरबारों को खोलने का एक अद्वितीय अवसर है। हरीसन ने इस सम्मेलन को आयोजित करके एक समृद्धि की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया है। समृद्धि न केवल उनके व्यवसायिक उद्देश्यों के लिए है, बल्कि यह भी स्थानीय कारपेंटर्स के समृद्धि और समृद्धि के प्रति उनके समर्पण को प्रशंसा और समर्थन प्रदान करने के लिए है।

समृद्धि की दिशा में यह कदम एक सामाजिक अभिवृद्धि दृष्टिकोण को भी प्रोत्साहित कर रहा है। इससे स्थानीय समुदाय में नौकरीयों का बढ़ोतरी, सृजनात्मकता और विकास होने की संभावना है। यह एक सामूहिक प्रयास है जो न केवल कर्मचारियों को, बल्कि उनके परिवारों और समुदाय को भी लाभान्वित कर सकता है।

सम्मेलन में कुशल कारपेंटर्स को नई तकनीकों के साथ अवगत कराने के लिए विशेषज्ञ उदाहरणों और डेमों का आयोजन किया जाता है। नए उत्पादों और उनके उपयोग के संबंध में विवरण प्रदान करने वाले व्याख्यानों द्वारा, सभी कारपेंटर्स नई तकनीकी उन्नति की दिशा में एक सामंजस्यपूर्ण अनुभव प्राप्त करते हैं।

PLATINUM योद्धा

meet& greet in

Award & Rewad Ceremony

कारपेंटर पाठशाला

"कारपेंटर योद्धा मीट एंड ग्रीट" एक महत्वपूर्ण पूर्ण और सहायक समारोह है, जिसमें कारपेंटर एक-दूसरे से मिलते हैं और अपने कला को और भी सुधारने का अवसर प्राप्त करते हैं। इस समारोह में प्रशिक्षित कारपेंटर को बुलाकर, जो कला में माहिर हैं, हमारे कारपेंटर योद्धाओं को उनके अनुभव से ज्ञान प्राप्त होता है। ये एक ऐसा उदाहरण है जहां काला, रचनात्मकता, और नवाचार का मिलन होता है, जिसका हमारा कारपेंटर समुदाय और भी प्रगतिशील बनता है।

आइसब्रेकर गतिविधि और नेटवर्किंग ज़ोन के माध्यम से, लोग एक-दूसरे से गहरायी से जुड़ते हैं। DIY वर्कशॉप स्टेशन और इंटरैक्टिव पैनल, जिनमें कारपेंटर नई तारीखें और तकनीकों का अभ्यास करते हैं, समुदाय को एक दूसरे से प्रेरित होने का अवसर देते हैं।

इस समारोह में कारपेंटर योद्धाओं को सम्मान देना, उन्हें प्रोत्साहन देना, और उनके योगदान को सम्बोधित करना एक अहम हिस्सा है। ये एक ऐसा अवसर है जहां समुदाय का एक मजबूत, प्रगतिशील, और सहायक समुदाय बन सकता है। "कारपेंटर योद्धा मीट एंड ग्रीट" के माध्यम से, हर कारपेंटर को एक दूसरे से जुड़ें, सीखें, और बढ़ने का अनुभव होता है।

ADVT

स्वयं को सुसंस्कारित करके समाज के लिए उपयोगी बनाएं: स्वामी हरि चैतन्य पुरी

कामां। तीर्थराज विमल कुंड स्थित हरिकृपा आश्रम के संस्थापक श्री हरि कृपा पीठाधीश्वर स्वामी हरि चैतन्य पुरी महाराज ने कहा कि स्वयं को सुसंस्कारित करके समाज के लिए उपयोगी बनाएं। आज हमारी, हमारे परिवार, देश, समाज की जो दुर्दशा हो रही है। विभिन्न प्रयास करने के बावजूद जिससे हम उबर नहीं पा रहे हैं, प्रयास करने के साथ साथ प्रभु से उनकी कृपा याचना से परिपूर्ण भाव सहित प्रार्थनाएं अवश्य करनी चाहिए। परमात्मा हमारी वस्तुओं पदार्थों, मान सम्मान इत्यादि का नहीं वह तो हमारी प्रेम व भावनाओं का भूखा है।

प्रेम रहित दुर्योधन के अतिथ्य को त्याग कर विदुर की कुटिया में रूखा साग व केले के छिलके भी प्रेम सहित स्वीकार करता है। भीलनी के खट्टे मीठे जूठे बेर में उसे जो स्वाद आता है ऐसा तो अयोध्या व जनकपुर के विभिन्न व्यंजनों में भी नहीं आता। हमें परमात्मा के प्रति विश्वास ही नहीं बल्कि दृढ विश्वास होना चाहिए। ईश्वर के प्रति मन में यदि संशय आ जाता है, तो उसके प्रति होने वाली भक्ति स्वतः ही नष्ट हो जाती है तथा ईश्वर के प्रति प्रेम भी नष्ट हो जाता है। ऐसा तब होता है जब निज हित में चिंतन किया जाता है। प्यार की ना तो कोई परिभाषा होती है और न ही प्यार को किसी बंधन में बांधा जा सकता है।

उन्होंने कहा कि बिना विचारे कोई कर्म न करें तथा न ही कुछ बोलें, ना किसी से संबंध बनाए व न ही किसी से कोई व्यवहार करें। विचारशील प्राणी कुछ भी बोलने से, व्यवहार करने, संबंध बनाने या कर्म करने से पहले विचार करता है। जिससे उसे ग्लानि पश्चाताप व उपहास का सामना नहीं करना पड़ता। संत, गुरु व परमात्मा का दर दाता का दर है ना कि भिखारी का। आज के तथाकथित संत, गुरु ब्राह्मण व शिक्षकों ने अपने सम्मान व गरिमा को स्वयं खोया है। संत व गुरू हमारी संपत्ति नहीं अपितु संतति चाहते हैं। संपत्ति चाहने वाला लालची, लोभी व्यक्ति गुरू या संत कदापि नहीं हो सकता। सच्चा भाव ही सच्ची उपासना है। सच्चे हृदय से प्रेम व श्रद्धापूर्वक की गई प्रार्थना को परमात्मा अवश्य सुनते हैं चाहे व्यक्ति को वेद शास्त्र, पुराणों का ज्ञान हो न हो भाषा शैली भी विशेष हो या न हो चाहे हम शिक्षित हों या अशिक्षित हों, शुद्ध हार्दिक भावनाओं से किसी प्रकार भी प्रार्थना की जाए परमात्मा उसे नजरअंदाज नहीं कर सकते।

महाराष्ट्र में बनेगा कामाख्या देवी का मंदिर

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने कहा है कि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने अपने गृह राज्य में कामाख्या देवी के मंदिर के निर्माण के लिए जमीन देने के प्रस्ताव पर सहमति दे दी है। पत्रकारों से बातचीत में सरमा ने कहा कि उनकी इस मंदिर के साथ नामघर (वैष्णवों के लिए एक स्थान) बनाने की योजना है। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक वीडियो में कहा कि हम महाराष्ट्र में कामाख्या देवी का सुंदर मंदिर बनाना चाहते हैं।

दादर स्थित स्वामीनारायण मंदिर में अन्नकूट उत्सव का आयोजन किया गया। अन्नकूट उत्सव में भगवान को 1008 से अधिक विभिन्न शाकाहारी व्यंजन चढ़ाए गए। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने दर्शन का लाभ लिया।

जायका इंडिया का

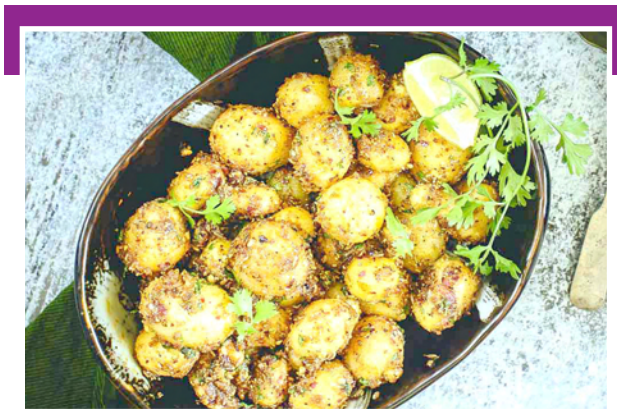

मसाला आलू

आलू को सब्जियों का राजा कहा जाता है क्योंकि ज्यादातर फूड आइटम्स आलू से ही बनते हैं। सब्जी बाजार में अब आलू की नई खेप आ चुकी है। आलू की सब्जी कई तरह से बनाई जाती है। मसाला आलू की एक फेमस वैरायटी है। मसाला आलू का स्वाद लाजवाब होता है वहीं इसे बनाना भी काफी आसान है।

सामग्री – 7-8 आलू ,1 टीस्पून जीरा,1 टीस्पून लाल मिर्च पाउडर, 2 टीस्पून धनिया पाउडर, 1 टीस्पून अमचूर, 3/4 टीस्पून हल्दी पाउडर, 1 टेबलस्पून कटा हरा धनिया, तेल, नमक स्वादानुसार

विधि – मसाला आलू बनाने के लिए सबसे पहले आलूओं को लें और उसे अच्छी तरह से धोकर उसके छिलके उतार लें। इसके बाद आलू के चारों ओर छेद कर दें। इसके लिए चम्मच के कांटे या टूथपिक की मदद ले सकते हैं। अब एक बर्तन में नमक का पानी लें और उसमें आलूओं को डुबोकर रख दें। आलू कम से कम 20 मिनट तक पानी में डुबोएं रखें जिससे आलू में अच्छी तरह से नमक उतर जाए। अब एक कड़ाही लें और मीडियम आंच पर गर्म करने के लिए रख दें। इसमें थोड़ा सा तेल डाल दें। जब तेल गर्म हो जाए तो उसमें जीरा डालकर चटकने दें।

जीरा चटकते ही इसमें हल्दी पाउडर, धनिया पाउडर, लाल मिर्च पाउडर और अमचूर डालकर सभी को करछी की मदद से मिक्स कर दें। इसके साथ ही इसमें थोड़ा सा पानी भी मिला दें। मसाले को करछी की मदद से चलाते रहें जिससे मसाला नहीं जले। जब मसाला तेल छोड़ने लग जाए तो नमक के पानी से आलू निकालकर उसे मसाले में डाल दें। अब इसे कम से कम 5 मिनट तक भून लें। अब सब्जी में पानी और स्वादानुसार थोड़ा सा नमक और मिलाएं और पकने दें। इसे दोबारा लगभग 5 मिनट तक पकाएं। ध्यान रहे की आलू को तब तक पकाना है जब तक कि वो अच्छी तरह से मुलायम न हो जाएं। इसके बाद गैस की आंच बंद कर दें। स्वादिष्ट मसाला आलू की सब्जी बनकर तैयार हो चुकी है। इसे सर्व करने से पहले हरा धनिया से गार्निश करें और रोटी या पराठे के साथ सर्व करें।

सेहत

पाचन तंत्र को मजबूत बनाए पालक

हरी पत्तेदार सब्जियों में पालक खाना बेहद हेल्दी माना जाता है। ऐसे में लोग सर्दियों में पालक का बहुत अधिक मात्रा में सेवन करते है। पालक में कई तरह के पोषक तत्व मौजूद होते हैं। इसमें आयरन, पोटेशियम,विटामिन होते हैं। नियमित पालक खाने से शरीर में आयरन की कमी नहीं होती। प्रेग्नेंसी में फोलेट युक्त पालक खाने से शिशु में जन्म दोष नहीं होता। पालक में मौजूद विटामिन सी, ई इम्यूनिटी को बूस्ट करते हैं। फाइबर, पानी से भरपूर पालक पाचन तंत्र को स्वस्थ रखता है। एंटी-इंफ्लेमेटरी पालक सूजन को कम करने में कारगर है। नाइट्रेट से भरपूर पालक हाई ब्लड प्रेशर की समस्या दूर करता है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक-गंगाराम श्रीराम विश्वकर्मा द्वारा 306, दिघे नगर को आप हाउसिंग सोसायटी, फितवाला रोड, एलफिन्स्टन (वेस्ट), मुंबई-40013 से प्रकाशित एवं एस आर पब्लिकेशन, मोहन अर्जुन कम्पाउंड, गाला नम्बर-8, 9, 10, घर्टनपाढा, वैशाली नगर लास्ट बस स्टॉप, नियर भारत गैस गोडाउन, दहिसर (ईस्ट), मुंबई- 400068 से मुद्रित। संपादक - गंगाराम श्रीराम विश्वकर्मा* RNI NO. MAHHIN/2005/16460 मो. 09320566633. (सभी विवादों का निपटारा न्यायक्षेत्र केवल मुंबई न्यायालय के अधीन होगा. *पी. आर. बी. अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)

AIPL
ABRO®
A TRUSTED NAME WORLDWIDE®
AIPL
25
YEARS
OF EXCELLENCE
CELEBRATING
TRUST
पकड़ शानदार,
काम जानदार
• High Thickness & Good Holding Power
• No Adhesive Residue After Removal
• Strong Solvents And Paints Resistant
ABRO
HIGH PERFORMANCE MASKING TAPE
मज़बूत पकड़
6123
150*+ MICRONS
135*+ MICRONS
ABRO
3123 MASKING TAPE
बेहतर फिनिश
FOR PAINTERS & CARPENTERS
HIGH-PERFORMANCE
MASKING TAPES
AIPL ZORRO PVT. LTD.
302, 3rd Floor, D-Mall, Netaji Subhash Place, Pitampura, Delhi-110034
In case of consumer complaint contact Customer Care Executive
AIPL ZORRO PVT. LTD.: Address as above
Contact No.: 011-49010144, Whatsapp No.: +917827937302, E-mail : info@aiplabro.com
TOLL-FREE NO
1800 27 40409
www.aiplabro.com

राजेंद्र विश्वकर्मा समिति के अध्यक्ष मनोनीत

सांताक्रुज। विश्वकर्मा समिति मुंबई की विशेष सर्वसाधारण सभा की बैठक में राजेंद्र विश्वकर्मा को सर्वसम्मति से अध्यक्ष चुन लिया गया। विश्वकर्मा समिति हॉल में उपस्थित सदस्यों ने विश्वकर्मा समिति के विकास के लिए चयनित कमेटी बनाने पर आम सहमति दी। एड. टी एस विश्वकर्मा की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में सुनील राना को चेयरमैन व एड. जे पी शर्मा को महामंत्री चुना गया। अध्यक्ष राजेंद्र विश्वकर्मा ने कहा कि विश्वकर्मा समिति को देश की सर्वश्रेष्ठ संस्था बनाने की दिशा पर मिलकर काम किया जायेगा। उन्होंने कहा कि विश्वकर्मा समिति बच्चों के शिक्षा के साथ समाज के गरीब तबकों के विकास के लिए काम करेगी। बैठक की अध्यक्षता करते हुए एड. टी एस विश्वकर्मा ने कहा कि विश्वकर्मा समाज के विकास के लिए हमें मिलजुलकर काम करने होंगे। उन्होंने कहा कि विश्वकर्मा समिति का भवन हमारी एकता का प्रतीक है। इस अवसर पर पूर्व अध्यक्ष मेवालाल विश्वकर्मा, लल्लूराम विश्वकर्मा, विजय विश्वकर्मा, रामनरेश विश्वकर्मा, चन्द्रिका विश्वकर्मा, रामशब्द शर्मा, बबलू विश्वकर्मा, दिनेश शर्मा, प्रो.एल बी शर्मा, संजय विश्वकर्मा, अवधेश विश्वकर्मा, चंद्रकेश विश्वकर्मा, रमापति विश्वकर्मा आदि सहित बड़ी संख्या में संस्था के सदस्य उपस्थित रहे।

OZONE FOR A SAFER WORLD | किचन और फर्निचर फिटिंग्स

अब किचन में जितनी भी उठापटक हो
ओज़ोन किचन फिटिंग्स सब संभाल लेंगे

भारतीय किचन सामान से ओवर–लोडेड होते हैं। चाहे कितनी भी बड़ी किचन हो, छोटी पड़ ही जाती है। रेगुलर यूज़ क्रॉकरी, गेस्ट क्रॉकरी, पार्टी कुकिंग सेट जैसे आइटम्स अक्सर हर किचन में ज़रूरत से ज़्यादा देखने को मिलते हैं। वुडन कैबिनेट, पुल–आउट बास्केट और ट्रे के इस्तेमाल का तरीका भी देखने वाला होता है!

हमारा किचन हर दिन अलग तरह की उठापटक सहता है। इसीलिए ज़रूरी है ऐसे किचन फिटिंग्स की, जो हमारे डेली यूज़ के तरीकों को ध्यान में रखकर बनाई गई हो। इंडियन स्टाइल में टेस्टेड हो। टेक्नोलॉजी के मामले में वर्ल्डक्लास हो। साथ ही दिखने में स्टाइलिश और सुन्दर हो। ओज़ोन किचन फिटिंग्स इन सब फेक्टर्स को ध्यान में रख कर इनोवेट की गई है।

ओज़ोन हार्डवेयर क्यों फेमस है?

ओज़ोन भारत में हार्डवेयर फिटिंग एण्ड सॉल्यूशन का नामी मैन्युफैक्चरर है। ओज़ोन के प्रत्येक प्रोडक्ट्स हाई–क्वालिटी और इनोवेशन के मानकों पर खरा उतरते हैं। साथ ही कस्टमर्स की जरूरतों के हिसाब से नेक्स्ट–जेन डिजाइन भी उपलब्ध करवाते हैं।

चाहे फर्नीचर, डिजिटल लॉक्स, ग्लास फिटिंग्स, दरवाज़े और रेलिंग्स की बात हो या किचन फिटिंग्स रेंज की, ओज़ोन के हर प्रोडक्ट्स इनोवेशन की नई परिभाषा गढ़ते हैं।

एक्सपर्ट्स किस किचन फिटिंग्स की सलाह देते हैं?

मॉड्यूलर किचन में प्रि–मेड या रेडीमेड किचन कैबिनेट होते हैं। यानी यह किचन अनेक यूनिट्स से मिलकर बना हुआ होता है। अगर ये कैबिनेट या यूनिट्स अच्छी क्वालिटी के नहीं होंगे, तो कुछ समय में आपको या तो स्लाइडिंग प्रॉब्लम देखने को मिलेगी या बास्केट्स और कैबिनेट्स लटके हुए नज़र आएंगे। ऐसे में एक्सपर्ट्स ओज़ोन किचन फिटिंग्स की सलाह देते हैं।

इन फिटिंग्स को **50 हजार साइकल्स पर टेस्ट** किया जाता है। साथ ही **15 साल की वारंटी** भी मिलती है। यानी एक बार लगाओ, लॉन्ग टाइम तक टेंशन–फ्री हो जाओ।

ओज़ोन किचन फिटिंग्स के बेहतरीन फीचर्स:
- पूरी रेंज स्टेनलेस स्टील से बनी
- ऊपर क्रोम की प्लेटिंग
- 15 साल की वारंटी
- जंग लगने का कोई चांस ही नहीं
- स्लाइड इंस्टालेशन के लिए साइड ब्रैकेट्स उपलब्ध
- सॉफ्ट क्लोज़ फिटिंग्स

ड्यूरेबल और मजबूत फिटिंग्स, स्लीक डिज़ाइन, 40 किलो वजन सहने की क्षमता वाले टेलीस्कोपिक स्लाइड्स, आसान इंस्टालेशन और हिंजेज के थ्री डाइमेंशनल एडजस्टमेंट फीचर बनाता है ओज़ोन किचन फिटिंग्स को ज़्यादा भरोसेमंद, टिकाऊ और सुन्दर।

अब बेफिक्र ओज़ोन किचन फिटिंग्स अपनाइए और किचन में मनचाही उठापटक कीजिए। क्योंकि ओज़ोन किचन फिटिंग्स सब संभाल लेंगे। अधिक जानकारी के लिए क्यूआर कोड स्कैन करें।

www.ozone-india.com 09310012300

Mahacol
SINCE 1971

NIKHIL
ADHESIVES LTD.

Happy
छठ पूजा़

May the positivity of Chhath Puja bring
success and glory to your life.

Mr. Vijay Kumar Dutta C.E.O. From Suzu Steel India

Dear Valued Customers and Partners, I am thrilled to announce the launch of our brand-new range of PVC bathroom fittings. As the **CEO** of **SUZU STEEL (INDIA)** , I am delighted to introduce these innovative products that combine quality, durability, and affordability. PVC bathroom fittings have gained immense popularity due to their versatility, low maintenance, and resistance to corrosion.

Our team has worked diligently to develop a collection that embodies these qualities while meeting the diverse needs of our valued customers. With our PVC bathroom fittings, you can expect superior craftsmanship, sleek designs, and seamless functionality. Whether it's faucets, showerheads, or sanitary ware, each product has been thoughtfully engineered to enhance your bathroom experience and add a touch of elegance to your space.

We understand that our customers seek not only reliable products but also ones that offer great value. That is why our PVC fittings combine affordability with the highest standards of quality, ensuring that you receive exceptional performance without compromising your budget. At **SUZU STEEL (INDIA)** we are committed to sustainability, and our PVC fittings are no exception. We have carefully selected eco-friendly materials and implemented responsible manufacturing practices to minimize our environmental impact while delivering reliable products that stand the test of time. To our esteemed partners, I express my gratitude for your continued support and trust. Your collaboration has been instrumental in bringing our new PVC bathroom fittings to fruition, and we look forward to further strengthening our partnership as we embark on this exciting journey together. To our valued customers, I want to extend my sincere appreciation for choosing our brand. We are confident that our PVC bathroom fittings will exceed your expectations, providing you with a stylish and functional solution for your bathroom needs. Thank you for joining us on this new venture. We remain dedicated to delivering excellence, providing exceptional customer service, and continuing to innovate in the world of bathroom fittings.

Warm regards,

Vijay Kumar Dutta
C.E.O.

काजोल के लिए उधार की जिंदगी टर्निंग पॉइंट

काजोल ने 1994 में रिलीज हुई उधार की जिंदगी फिल्म का एक पोस्टर एक्स पर साझा किया। इसे के.वी. राजू द्वारा निर्देशित किया गया था। अपनी फिल्म उधार की जिंदगी के इंडस्ट्री में 29 साल पूरे होने पर अभिनेत्री काजोल ने खुलासा किया कि यह उनके करियर और जीवन का एक महत्वपूर्ण मोड़ था। जब उन्हें एहसास हुआ कि वह बहुत थक गई हैं, तब उन्होंने छुट्टी लेने का फैसला किया। उन्होंने एक किस्सा साझा किया और लिखा कि उधार की जिंदगी के 29 साल पूरे हो गए हैं और इसके नाम का कोई संक्षिप्त रूप नहीं है। यह ज्यादातर लोगों की यादों में बस गया है, लेकिन मेरे लिए यह हमेशा मेरे करियर और मेरे जीवन में एक महत्वपूर्ण मोड़ कहलाएगा। मैं बहुत थक चुकी थी, क्योंकि मैंने अपनी पूरी ताकत काम को पूरा करने में लगा दिया था। मैंने 20 साल की उम्र में एक बड़ा फैसला लिया और तय किया कि मैं एक ब्रेक और काम की बेहतर रफ्तार की हकदार हूं। इसलिए मैं आगे बढ़ी और बिल्कुल वैसा ही किया, जैसा करने को कहा गया। इसमें जितेंद्र और मौसमी चटर्जी भी हैं। यह काजोल की पहली लेखक समर्थित भूमिका थी। यह फिल्म 1991 की तेलुगू फिल्म सीतारामय्या गारी मानवरालु की रीमेक है। इस फिल्म के निर्देशक के.वी. राजू ने इससे पहले 1992 में कन्नड़ में बेल्ली मोदागलु नाम से रीमेक बनाया था।

सोशल मीडिया पर नेहा

भोजपुरी एक्ट्रेस नेहा मलिक सोशल मीडिया पर आए दिन एक्टिव रहती हैं और अपनी फोटो पोस्ट करती रहती हैं। इन दिनों उनकी कुछ हालिया तस्वीरें छाई हुई हैं, जिसे फैंस भी काफी पसंद कर रहे हैं। लेटेस्ट फोटो में नेहा बेहद ही ग्लैमरस लुक में नजर आ रही हैं और कैमरे में एक से एक पोज देती दिख रही हैं। उन्होंने जैसे ही ये तस्वीरें पोस्ट की, वो कुछ ही देर में सोशल मीडिया पर छा गईं। नेहा मलिक ने अपने काम की वजह से खूब पहचान बनाई है। उन्होंने अपने करियर में अब तक 100 से भी ज्यादा म्यूजिक वीडियोज में काम किया है। लोग उनके नए सॉन्ग वीडियो का इंतजार करते हैं और जब उनका कोई नया गाना आता है तो वो छा जाता है।

विक्की कौशल की वर्कआउट तस्वीर

विक्की कौशल ने सोशल मीडिया हैंडल इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर शेयर की। इस फोटो में विक्की कौशल जिम में शीशे के सहारे खड़े होकर पोज देते हुए दिखाई दे रहे हैं। इसके साथ ही उन्होंने कैप्शन में लिखा आप जो महसूस करते हैं उसे देखें, जो आपको करना चाहिए वही करें।

विक्की कौशल की इस पोस्ट पर उनकी पत्नी और अभिनेत्री कैटरीना कैफ ने कमेंट करते हुए लिखा 'हम्म, किस बुद्धिमान व्यक्ति ने ऐसा कहा है'। विक्की कौशल जल्द फिल्म सैम बहादुर में दिखाई देने वाले हैं। यह फिल्म दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है।

रिया चक्रवर्ती को फिल्मों का इंतजार

सुशांत सिंह राजपूत के निधन के बाद उनकी गर्लफ्रेंड एक्ट्रेस रिया चक्रवर्ती की जिंदगी तहस-नहस हो गई थी। ऐसा हम नहीं बल्कि रिया ने खुद हाल ही के इंटरव्यू में बताया है। सुशांत के निधन के बाद रिया को कई सारी मुश्किलों का सामना करना पड़ा था। उस दौरान एक्ट्रेस को ड्रग्स केस में जेल भी जाना पड़ गया था। साल 2020 रिया चक्रवर्ती के लिए बेहद बुरा साबित हुआ। सुशांत सिंह की मौत के बाद रिया पर आरोप लगा था कि वे सुशांत को ड्रग्स करवाती हैं। इस वजह से उन्हें काफी ट्रोल भी किया गया, सुशांत के फैंस रिया को सोशल मीडिया पर खूब खरी-खोटी भी सुनाई थी। इन विवादों की वजह से एक्ट्रेस की प्रोफेशनल लाइफ पर भी पड़ा है। इस बात का खुलासा रिया ने खुद किया है। फिलहाल एक्ट्रेस को इंडस्ट्री ने बाहर का रास्ता दिखा दिया है। उन्होंने कहा कि लोग अब मुझे फिल्मों में लेने से डरते हैं। लेकिन मैं अब भी यही उम्मीद करती हूं कि सब जल्द से जल्द ठीक हो जाए। पहले के मुकाबले काफी चीजें बेहतर हो गई हैं सही बताऊं तो अब ट्रोल्स मुझे टार्गेट नहीं करते हैं।

दिल धड़काने आ गई मोनालिसा

भोजपुरी इंडस्ट्री का जाना माना चेहरा मोनालिसा ने अपनी एक्टिंग से हर बार फैंस को इम्प्रेस किया है। भोजपुरी ही नहीं, बल्कि टीवी पर भी लगातार एक्ट्रेस नए-नए प्रोजेक्ट्स करती नजर आ रही हैं। इसी बीच मोनालिसा ने शॉर्ट ड्रेस पहनकर नए फोटोशूट की झलक दिखाई है। एक्ट्रेस की तस्वीरें वायरल होते ही फैंस भी तारीफों के पुल बांधते नजर आ रहे हैं। 40 साल की अंतरा बिस्वास उर्फ मोनालिसा अपनी फिटनेस को लेकर काफी सीरियस रहती हैं। खुली जुल्फें, कातिलाना अंदाज और दिल जीतने वाली मुस्कुराहट। मोनालिसा के लेटेस्ट फोटोशूट को देखकर हर कोई इम्प्रेस हो गया है। भोजपुरी एक्ट्रेस मोनालिसा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। टीवी और भोजपुरी फिल्मों के अलावा इंस्टाग्राम के जरिए भी ये हसीना तगड़ी कमाई करती हैं। भोजपुरी इंडस्ट्री की हाईएस्ट पेड एक्ट्रेस की लिस्ट में मोनालिसा का नाम भी शुमार है।

नाना पाटेकर को आया गुस्सा, जड़ा थप्पड़

बॉलीवुड एक्टर नाना पाटेकर वाराणसी की एक मार्केट में लोगों की

मौजूदगी में अपना आपा खो बैठे। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में एक्टर को हल्के पीले कलर का चेक सूट, टोपी और स्कार्फ पहने हुए देखा जा सकता है। एक्टर को मुस्कुराते हुए अपने फैंस को हाथ हिलाते हुए देखा जा सकता है। इसी बीच अचानक एक फैन पीछे से आया और पल भर के लिए पाटेकर के साथ खड़ा हो गया। इस दौरान उसने एक्टर के साथ सेल्फी लेने का प्रयास किया। फैन की इस हरकत से गुस्से में आकर एक्टर ने उसके सिर के पिछले हिस्से पर थप्पड़ जड़ दिया। जैसे ही लड़का आगे बढ़ा, एक सुरक्षाकर्मी ने उसे खींच लिया और उसे मौके से दूर धकेल दिया। जब युवक दूर हुआ तो एक्टर नाना पाटेकर ने पीछे मुड़कर उस पर उंगली उठाई, शायद अन्य संभावित फैंस को ऐसी हरकतों से दूर रहने की हल्की चेतावनी के रूप में थी। नाना पाटेकर इस समय फिल्म निमार्ता अनिल शर्मा की अगली फिल्म जर्नी की शूटिंग के लिए पवित्र शहर वाराणसी में हैं। 10 सेकंड का वायरल वीडियो दशाश्वमेध घाट की ओर जाने वाले रास्ते का है, जहां वह अपनी अगली फिल्म की शूटिंग कर रहे हैं। नाना पाटेकर आखिरी बार विवेक अग्निहोत्री की फिल्म द वैक्सीन वॉर में नजर आए थे।

OZONE®
FOR A SAFER WORLD
किचन &
फर्नीचर फिटिंग्स
SGS
CERTIFIED
न्यु एंड इम्प्रूव्ड
सोफ्ट क्लोज
ड्रॉवर स्लाइड
60,000
सायकल्स
टेस्टेड
35 KG
लोड
क्षमता
सॉफ्ट
क्लोज
वैनिटी
होम ऑफिस
किचन
वार्डरोब
बेडरूम
ऑफिस
मुख्य विशेषताएँ
फुल
एक्सटेंशन
इमप्रूव्ड
स्टेबिलिटी
स्मूदर
ड्रावर ऑपरेशन
48 घंटे
साल्टेड टेस्टेड
आसान
इनस्टॉलेशन
प्रोडक्ट कोड
OBBS-4511SC-N 300MM-12" ZINC
OBBS-4511SC-N 350MM-14" ZINC
OBBS-4511SC-N 400MM-16" ZINC
OBBS-4511SC-N 450MM-18" ZINC
OBBS-4511SC-N 500MM-20" ZINC
OBBS-4511SC-N 550MM-22" ZINC
OBBS-4511SC-N 600MM-24" ZINC
इंस्टालेशन
वीडियो देखने
के लिऐ
QR कोड स्कैन करें!
+91-9310012300 | WWW.OZONE-INDIA.COM | FOLLOW US ON